42E72V

पाठ 18

जंगल में स्कूल

पढ़–लिखकर आदमी समझदार हो जाता है। फिर उसे न तो कोई धोखा दे सकता है और न वह ठगा जा सकता है। इस पाठ में पशुओं को शिक्षित करने के बहाने सब की शिक्षा के विकास पर बल दिया गया है।

गब्बर शेर जंगल का राजा था। एक दिन उसने जंगल के सब बच्चों को बुलाकर कहा, ''आज से तुम सब बच्चे स्कूल जाना शुरू करो। मैं देखूँगा कि कौन–सा बच्चा स्कूल नहीं जाता। सबसे होशियार बच्चे को मैं इनाम दूँगा।''

स्कूल खुल गया और लल्ली लोमड़ी पढ़ाने आई। हाथी के बच्चे, भालू के बच्चे, हिरन के बच्चे और बंदर के बच्चे, सब बच्चे पढ़ने आ पहुँचे। बच्चों को स्कूल बहुत अच्छा लगा। लल्ली लोमड़ी पढ़ाती हुई नाचती और गाती तो बच्चे भी नाचते और गाते। वह पढ़ाती तो बच्चे मन लगाकर पढ़ते।

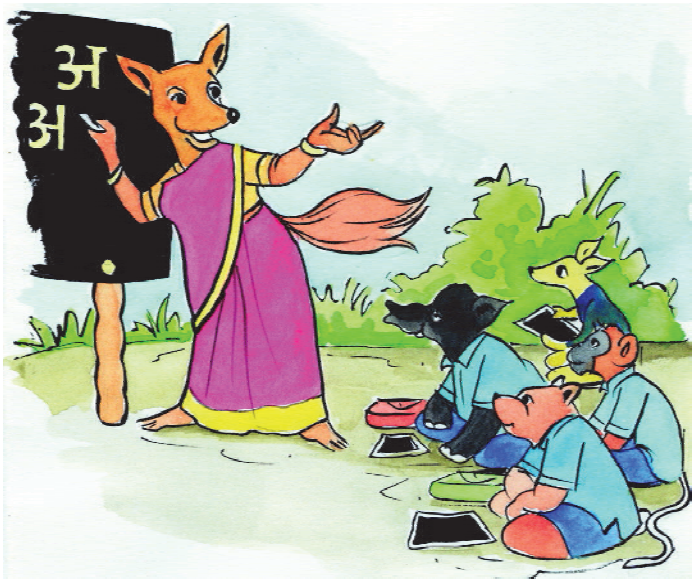

सब बच्चे खुशी–खुशी स्कूल आते थे। लेकिन बंदर के एक बच्चे, बब्बन, को स्कूल आना अच्छा नहीं लगता था। वह तो बस जंगल में इधर–उधर घूमना चाहता था।

एक दिन लल्ली लोमड़ी के साथ सब बच्चे गाते–गाते पढ़ रहे थे। तभी बब्बन चुपचाप स्कूल से भाग निकला। किसी ने उसको निकलते हुए नहीं देखा।

अब बब्बन जंगल में घूमने लगा। कभी वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूद जाता, तो कभी पेड़ की डाल पकड़कर झूलने लगता। लेकिन थोड़ी देर के बाद बब्बन की उछल–कूद रुक गई। उसने गब्बर शेर की आवाज़ सुनी थी। मारे डर के वह छलाँग भरकर बेल के एक पेड़ पर जा बैठा।

बब्बन पेड़ की डालियों के बीच छिप गया, लेकिन उसकी पूँछ नीचे लटक रही थी। गब्बर शेर ने उसे देख लिया। वह गरजकर बोला–

''बंदर के बच्चे,

अकल के कच्चे।

नीचे उतर।

मैं तुझे बताता हूँ,

स्कूल से भागा है,

अभी मज़ा चखाता हूँ।''

बोला बब्बन

शेर से डरते हुए

बहाना करते हुए।

लोमड़ी के आदेश मान

बेल लेने आ गया।

भागा नहीं कहीं भी

फिर भी पकड़ा गया।

गब्बर शेर ज़ोर से चिल्लाया, ''झूठा! लल्ली लोमड़ी कभी बेल नहीं खाती। तू स्कूल से भागा है। तू झूठा बहाना बना रहा है। सच बता क्या बात है ?

बब्बन डर से काँपने लगा। उसने सोचा कि अब शेर उसे जरूर सज़ा देगा। लेकिन गब्बर शेर दयालु था। उसने प्यार से कहा, ''नीचे उतरो, बच्चे! स्कूल से भागना ठीक नहीं।'' बब्बन डरता–डरता पेड़ से नीचे उतर आया। गब्बर शेर के सामने वह सिर झुकाए खड़ा रहा।

शेर ने कहा, ''बच्चे, स्कूल जाओ और पढ़ो। पढ़–लिखकर तुम समझदार बनोगे। फिर कभी ऐसे भागकर नहीं आना।''

बब्बन कूदता हुआ स्कूल की ओर गया। उस दिन के बाद वह ध्यान लगाकर पढ़ने लगा। थोड़े दिनों के बाद स्कूल की पढ़ाई में वह सबसे अच्छा माना जाने लगा। गब्बर शेर ने उसे बुलाया और कहा, ''शाबाश, बब्बन! तुम बहुत होशियार हो। यह रहा तुम्हारा इनाम।''

और गब्बर शेर ने उसे एक ढफली इनाम में दी।

शब्दार्थ

होशियार	–	चतुर	जवाब	–	उत्तर
अक्ल	–	बुद्धि	चुपचाप	–	बिना आवाज़ के

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1 गब्बर शेर ने बब्बन बंदर को स्कूल से भागने पर क्या समझाया ?

प्र.2 गब्बर शेर ने बब्बन बंदर को शाबाशी क्यों दी ?

प्र.3 स्कूल में कौन–कौन पढ़ने आए ?

प्र.4 बब्बन स्कूल से कब भागा ?

प्र.5 बब्बन स्कूल से क्यों भागा ?

प्र.6 बंदर के बच्चे को स्कूल क्यों नहीं अच्छा लगा होगा ?

प्र.7 गब्बर शेर ने बब्बन बंदर को स्कूल जाने के लिए प्यार से समझाया। यदि वह बब्बन से मार–पीट करता तो क्या होता ?

प्र.8 लल्ली लोमड़ी पढ़ाते समय नाचती, गाती थी। वह ऐसा क्यों करती थी ?

प्र.9 अगर बब्बन बंदर गब्बर शेर के समझाने पर भी स्कूल न जाता तो क्या होता?

प्र.10 शिक्षक नीच दिए वाक्यों की पट्टियाँ बनाएँ और बच्चों से उन्हें कहानी की घटनाओं के क्रम के आधार पर जमाने के लिए कहें।

बब्बन बंदर पेड़ पर चढ़कर छिप गया।
गब्बर शेर ने जंगल में स्कूल खोला।
बब्बन बंदर कक्षा से उठकर भाग गया।
गब्बर ने जानवरों के बच्चों को स्कूल में आने को कहा।
गब्बर शेर जंगल का राजा था।
बब्बन बंदर को पढ़ना अच्छा नहीं लगता था।
गब्बर शेर ने पढ़ाने का काम लल्ली लोमड़ी को सौंपा।
बब्बन बंदर पढ़ाई में सबसे होशियार हो गया।

प्र.11 सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ –

क. जंगल का राजा कहलाता है –

अ. लोमड़ी
ब. बंदर
स. शेर

ख. शेर –

अ. भिनभिनाता है

ब. दहाड़ता है

स. रेंकता है

ग. शाबाशी देना का अर्थ है –

अ. गाली देना

ब. उत्साह बढ़ाना

स. आगे बढ़ना

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

प्र.1. पढ़ो और करो।

'समझ' शब्द में 'दार' लगाने से शब्द बना है– 'समझदार'। इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों में 'दार' लगाकर नए शब्द लिखो और उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

खबर + ... = ...

शान + ... = ...

ईमान + ... = ...

इज्जत + ... = ...

मजे + ... = ...

42N34I

रचना

बब्बन बंदर स्कूल से भागकर शरारत कर रहा था। तुम भी शरारतें करते होगे। किसी शरारत के बारे में लिखो।

शिक्षण–संकेत

- बच्चों को कहानी पढ़ने के लिए कहें।
- कहानी के विषय पर बच्चों से चर्चा करें।
- कहानी के माध्यम से स्कूल और पढ़ाई के महत्व पर चर्चा करें।
- स्कूलों के प्रति बच्चों का आकर्षण बढ़ाने के उपाय बच्चों से पूछें।
- शब्दों के अंत में शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाने का अभ्यास कराएँ।